चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10-12-23	5	1-4

एचएयू में दो दिवसीय स्टूडेंट इंगेजमेंट कॉनक्लेव का आयोजन

छह विवि. के विद्यार्थियों को कृषि के क्षेत्र में अपना व्यवसाय करने के बताए गुर

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट इंगेजमेंट कॉनक्लेव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यअतिथि डॉ. अतुल ढ़ींगड़ा व डॉ. केडी शर्मा ने किया। इस मौके पर देशभर से छह विश्वविद्यालयों से नेशनल एग्रीकल्चर हाइयर एजुकेशन प्रोजेक्ट के माध्यम से देश विदेश शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों व डेलिगेट्स ने शिरकत की। मुख्यअतिथि डॉ. अतुल ढ़ींगड़ा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान करना है जहां वह अन्य विद्यार्थियों के साथ मिलकर अपने आइडिया एक्सचेंज कर सकें। इस तरह के कार्यक्रम कृषि के क्षेत्र में नवाचार के अवसरों को बढ़ाते हैं। कार्यक्रम के पहले दिन राजीव रंजन ने विद्यार्थियों को एग्रीप्रेन्योरशिप के बारे में बताते हुए कहा कि वह भविष्य में कृषि के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। यदि वह अपने किसी आइडिया को बिजनेस में बदलता चाहते हैं तो उसके लिए उन्हें बैंक से कम सब्सिडी पर लोन मिल सकता है। इस माध्यम से विद्यार्थी रोजगार ढूढ़ने की बजाय लोगों को रोजगार प्रदान कर सकते हैं। डॉ. केडी शर्मा ने कहा कि नेशनल एग्रीकल्चर हाइयर एजुकेशन प्रोजेक्ट ऐसा मंच है जहां विद्यार्थियों को विभिन्न देशों के इंफ्रास्ट्रक्चर को जानने का मौका मिलता है। विद्यार्थी अपनी रिचर्स के दौरान विभिन्न आइडिया को दूसरे देशों के विद्यार्थियों के साथ साझा कर सकते हैं। उन्हें अलग अलग देशों की कार्यप्रणाली से रूबरू होने का मौका मिलता है। कार्यक्रम के पहले दिन विद्यार्थियों के बीच प्रश्नोत्तरी व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।

नए आइडिया को जान सकते हैं

शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी से सान्या ने बताया कि वह बीएसी एग्रीक्चर की छात्रा है, इस प्रकार के कार्यक्रम से उन्हें विभिन्न विश्वविद्यालयों में हो रही रिसर्च एंव आइडिया को जानने का मौका मिलता है। यह इंगेजमेंट प्रोग्राम भविष्य में नए आइडियाज पर काम करने के लिए प्रेरित करते हैं और अन्य विद्यार्थियों के किए कार्यों को समझने का मौका मिलता है।

कार्यप्रणाली जानने का मौका मिला

डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय से शौर्य कपूर ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम में वह पहली बार शामिल हुए हैं। विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों से मिलकर आइडिया शेयर करने का अनुभव काफी अच्छा रहा है। यह एक मंच है जहां विद्यार्थियों को एक दूसरे की कार्यप्रणाली व शिक्षा के बारे में जानने का मौका मिलता है। भविष्य में किस प्रकार कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़ा जा सकता है।

2

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	17-12-23	5	1-6

अनुभवी विद्यार्थियों ने बताईं विदेशी शिक्षा व्यवस्था की विशेषताएं और खामियां

- भारत की नई शिक्षा नीति 2020 भी बताई
- मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में हो रहा आयोजन

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव शनिवार को शुरू हुआ।कार्यक्रम के पहले दिन तीन सत्रों में प्रश्नोत्तरी, पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई। विशेषज्ञों के साथ विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर सामूहिक चर्चा की।

विदेश के एजुकेशन सिस्टम को अनुभव कर चुके इन विद्यार्थियों ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर मंथन किया। दूसरे देशों की अच्छी शिक्षा नीतियों पर चर्चा करते हुए उनकी अच्छाई व खामियों पर बातचीत की। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 को लेकर भी अपने विचार प्रकट किए।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में एचएयू के अलावा डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाईएस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन के विद्यार्थी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि उपरोक्त प्रति विश्वविद्यालय से 10 उन विद्यार्थियों को कार्यक्रम में शामिल किया गया है, जिन्होंने आईडीपी परियोजना के तहत विदेशी शोध संस्थानों में दौरा किया है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया जाएगा। रविवार को समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर जनरल (एग्रीकल्चरल एजुकेशन) डॉ. आरसी अग्रवाल रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव में बैठे विद्यार्थी। संवाद

> एचएयू में आने का अनुभव काफी अच्छा रहा है। यहां के शिक्षकों से बहुत कुछ सीखने को मिला है। रिसर्च के हिसाब से यहां का एरिया काफी बड़ा है। हमारी यूनिवर्सिटी में शोध की जो बातें मास्टर डिग्री में सिखाई जाती हैं वो सारी चीजें यहां बैचलर डिग्री में सिखने को मिली। इससे यहां के विद्यार्थी मास्टर डिग्री करने के दौरान शोध करने के लिए परफेक्ट हो जाते हैं। एचएयू की फीस भी कम है और शोध के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर रही है।
> **-अमानत कौर, गुरु अंगद देव वेटरनरी एंव पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, लुधियाना**

> चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का कैंपस काफी बड़ा है। शिक्षकों का स्वभाव काफी मिलनसार और सहायक है। यहां के विश्वविद्यालय की शिक्षा अन्य विश्वविद्यालय के मुकाबले अधिक विकसित है। विवि में नवीनतम टेक्नोलॉजी है। इसके साथ ही लैब में जरूरत के सभी उपकरण उपलब्ध हैं। एचएयू के विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास की सुविधाएं भी दी गई हैं।
> **-अमरेंद्र कुमार, डॉ. बालासाहेब कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली(महाराष्ट्र)**

> विश्वविद्यालय में पहली बार आने का अनुभव बेहतर रहा। लाइब्रेरी में सभी कोर्स से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध हैं साथ ही विद्यार्थियों के बैठने के लिए स्थान भी पर्याप्त है। अन्य विश्वविद्यालय के अनुसार यहां की फीस भी कम है और सुविधाएं भी अच्छी हैं। आपस में विश्वविद्यालय को सहयोग करना चाहिए, जिससे शिक्षा और शोध के स्तर में सुधार हो सके।
> **- शौर्य कपूर, चौधरी श्रवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9-12-23	3	5-7

एचएयू में स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव 9 व 10 को, शोध की जरूरतों पर होगी चर्चा

विदेशी शोध संस्थानों में दौरा करने वाले शोधार्थी लेंगे भाग

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की तरफ से दो दिवसीय 9 और 10 दिसंबर को स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन होगा। कार्यक्रम के पहले दिन तीन सत्रों में विभिन्न गतिविधियां की जाएगी, जिनमें स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता शामिल होगी। साथ ही विशेषज्ञों के साथ विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर सामूहिक चर्चा भी करेंगे। दूसरे दिन कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर जनरल एग्रीकल्चरल एजुकेशन डॉ. आरसी अग्रवाल रहेंगे व विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में एचएयू के अलावा डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन के विद्यार्थी शामिल होंगे। उपरोक्त प्रति विश्वविद्यालय से 10 उन विद्यार्थियों को कार्यक्रम में शामिल किया है, जिन्होंने आईडीपी परियोजना के तहत विदेशी शोध संस्थानों में दौरा किया है। कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

जीजेयू ने एमए और एमएससी के परिणाम जारी किया

हिसार | गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि मई 2023 में आयोजित एमएससी मैथेमेटिक्स कॉलेजिज व यूटीडी द्वितीय सेमेस्टर रिअपीयर बैच 2019-2021, एमए इकोनोमिक्स द्वितीय सेमेस्टर मेन बैच 2022, एमए संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर मेन बैच 2022, एमए पॉलिटिकल साइंस द्वितीय सेमेस्टर मेन बैच 2022, बीएससी नॉन-मेडिकल द्वितीय सेमेस्टर रिअपीयर बैच 2018, 2019, 2020 व 2021, एमएससी केमिस्ट्री द्वितीय सेमेस्टर मेन बैच 2022, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी द्वितीय सेमेस्टर मेन बैच 2022, एमएससी जियोग्राफी द्वितीय सेमेस्टर मेन बैच 2022 तथा बीबीए द्वितीय सेमेस्टर मेन बैच 2022 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9-12-23	५	5

स्टूडेंट इंगेजमेंट कॉन्क्लेव एचएयू में आज से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय मे छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से 9 व 10 दिसंबर को स्टूडेंट इंगेजमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के पहले दिन तीन सत्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी, जिनमें स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता शामिल होगी। दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर जनरल (एग्रीकल्चरल एजुकेशन) डॉ. आरसी अग्रवाल रहेंगे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में एचएयू के अलावा डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी व अन्य विवि के विद्यार्थी शामिल होंगे। संवाद

5

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	9-12-23	5	7-8

हकृवि में 9 व 10 दिसम्बर को स्टूडैंट एंगेजमैंट कॉन्क्लेव

हिसार, 8 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय मे छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय 9 व 10 दिसंबर को स्टूडैंट एंगेजमैंट कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के पहले दिन तीन सत्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी, जिनमें स्टूडैंट एंगेजमैंट कॉन्क्लेव प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता शामिल होगी। साथ ही विशेषज्ञों के साथ विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर सामूहिक चर्चा भी करेंगे। दूसरे दिन कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के डिप्टी डायरैक्टर जनरल (एग्रीकल्चरल एंजुकेशन) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहेंगे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में हकृवि के अलावा डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाई.एस.परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन के विद्यार्थी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि उपरोक्त प्रति विश्वविद्यालय से 10 उन विद्यार्थियों को कार्यक्रम में शामिल किया गया है, जिन्होंने आईडीपी परियोजना के तहत विदेशी शोध संस्थानों में दौरा किया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि भूमि	9-12-23	14	6

हकृवि में आज से स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय मे छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय 9 व 10 दिसंबर को स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। पहले दिन तीन सत्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी, जिनमें स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता शामिल होगी। साथ ही विशेषज्ञों के साथ विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर सामूहिक चर्चा भी करेंगे। दूसरे दिन कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर जनरल (एग्रीकल्चरल एजुकेशन) डॉ. आरसी अग्रवाल रहेंगे व विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

9 साल बेमिसाल

पिछले 9 वर्षों में खेती-किसानी में अभूतपूर्व सुधारों से राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा की नई पहचान बनी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच से उपजी योजनाओं के चलते खेती का स्वरूप तेजी से बदला है। फसल बीमा और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से अन्नदाता की चिंताएं दूर हुई हैं तो फसल खरीद में बिचौलिया सिस्टम खत्म होने से भुगतान का पैसा सीधे किसानों के खाते में जा रहा है वह भी सिर्फ 72 घंटों में। गन्ने का बेहतरीन भाव देने वाले हरियाणा में डबल इंजन की सरकार के अनवरत प्रयासों से आज खेती किसानों के लिए लाभ का सौदा बन गई है।

❝हमने एम.एस.पी. में बढ़ोतरी की, दलहन उत्पादों को बढ़ावा दिया। फूड प्रोसेसिंग करने वाले फूड पार्कों की संख्या बढ़ाई गई साथ ही खाद्य तेल के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर होने के लिए मिशन मोड में काम चल रहा है।❞ - नरेन्द्र मोदी

हरियाणा में 14 फसलों पर मिल रहा एम.एस.पी.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन पर चलते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी किसानों की खुशहाली और समृद्धि को लेकर प्रतिबद्ध हैं। पिछले 9 वर्षों के दौरान हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व में किसानों की भलाई और हित को लेकर कई योजनाएं तैयार की हैं। मनोहर सरकार सबसे ज्यादा 14 फसलों की एम.एस.पी. पर खरीद कर रही है। यही नहीं, फसल खरीद की राशि की सीधी अदायगी किसानों के खातों में की जा रही है, जिसका दूसरे राज्य भी अनुसरण कर रहे हैं।

किसानों को फसल विविधीकरण के साथ जोड़ने के लिए सरकार द्वारा 7000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। यही नहीं केंद्र की योजनाओं का भी सीधा लाभ किसानों को मिल रहा है, जिससे किसान समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल खराब होने पर 7656.11 करोड़ रुपये का क्लेम दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी द्वारा कृषि और किसान कल्याण को लेकर तैयार की गई योजनाओं को केंद्र सरकार ने भी सराहा है।

भावांतर भरपाई योजना के तहत फसलों के भाव में होने वाले उतार-चढ़ाव और जोखिम को कम किया जा रहा है। कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2021 के दौरान भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत किसानों के नुकसान की भरपाई की जा रही है।

➔ **19.94 लाख** किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभांवित

➔ **7000 रुपये** प्रति एकड़ मनोहर सौगात फसल विविधीकरण द्वारा वित्तीय सहायता

➔ **55 लाख** मृदा नमूने हर खेत-स्वस्थ खेत अभियान के तहत किए गए एकत्रित

➔ **7656.11 करोड़** रुपये का क्लेम फसल बीमा योजना के तहत फसल खराब होने पर दिया

दिसंबर 2018 में शुरू हुई 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के अंतर्गत चौमाही आधार पर पात्र किसान परिवार को 6000 रुपये की वार्षिक सहायता 3 किश्तों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना के अंतर्गत दिसम्बर, 2018 से अब तक हरियाणा के 19.94 लाख किसानों को 14 किश्तों में 4956.09 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है। इंडिया एग्रो बिजनेस अवार्ड-2022 के तहत कृषि क्षेत्र में नीतियों, कार्यक्रमों, उत्पादन, इनपुट, प्रौद्योगिकियों, विपणन, मूल्य संवर्धन, बुनियादी ढांचे और निर्यात के क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए हरियाणा को 9 नवम्बर, 2022 को बेहतर राज्य की श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। प्रदेश में खरीफ-2016 से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ में धान, बाजरा, मक्का, मूंग व कपास तथा रबी में गेहूं, सरसों, चना, जौ व सूरजमुखी फसलों को कवर किया जा रहा है। खरीफ-2020 से इस योजना को किसानों के लिए स्वैच्छिक बनाया गया। किसान की प्रीमियम दर खरीफ फसलों के लिए बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत, रबी फसलों के लिए 1.50 प्रतिशत तथा कपास के लिए 5 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, खड़ी फसल में जलभराव (धान फसल को छोड़कर) ओलावृष्टि, बाढ़, सूखा, आसमानी बिजली आदि जोखिमों को भी योजना में कवर किया गया है। फसल कटाई से 14 दिनों तक खेत में सूखने के लिए रखी गई फसल में बेमौसमी बारिश व चक्रवात से हुए नुकसान का बीमा भी योजना में शामिल है। इस योजना के तहत फसल खराब होने पर अब तक किसानों को 7656.11 करोड़ रुपये का क्लेम दिया है।

मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल हो रहा लाभकारी साबित

खेतों में बोई गई फसल को पंजीकरण और सत्यापन के लिए मनोहर सरकार ने मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल की नई पहल शुरू की जिसे न केवल किसान सराह रहे हैं, बल्कि दूसरे प्रदेशों से बिकने के लिए आने वाली फसल पर भी अंकुश लगा है। कृषि तथा किसान कल्याण विभाग द्वारा 4 जुलाई, 2019 से मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल शुरू किया है, ताकि फसल की खरीद और अन्य सरकारी लाभों के लिए बोई गई फसल का पंजीकरण और सत्यापन किया जा सके।

मेरा पानी-मेरी विरासत से किसानों में जगी पानी बचाने की अलख

धान की परंपरागत खेती के चलते प्रदेश में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। लिहाजा किसानों को पानी बचाने के साथ जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने मेरा पानी-मेरी विरासत योजना का आह्वान किया और किसानों ने धान की बजाय दूसरी फसलों की ओर कदम बढ़ाया। सरकार द्वारा धान की फसल का वैकल्पिक फसलों जैसे- मक्का, कपास, खरीफ दालें (अरहर, मूंग, मोठ, उड़द, ग्वार, सोयाबीन), खरीफ तिलहन (तिल, अरंडी, मूंगफली), चारे की फसल, खरीफ प्याज, बागवानी फसलों/सब्जियों, सफेदे व पोपलर द्वारा विविधीकरण करने के लिए वर्ष 2020 में 'मेरा पानी-मेरी विरासत योजना' शुरू की गई। जो किसान अपने खेत में धान लगाने की बजाय उसे खाली रखते हैं, उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलेगा। विभागीय कमेटी द्वारा भौतिक सत्यापन के बाद, फसल विविधीकरण करने वाले किसानों को 7,000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से वित्तीय सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा करवाई जाती है।

दलहन व तिलहन पर चार हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता राशि

प्रदेश सरकार द्वारा 7 जिलों में दलहन व तिलहन फसलों को बढ़ावा देने के लिए चार हजार रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है, इनमें भिवानी, चरखी-दादरी, हिसार, झज्जर, महेंद्रगढ, मेवात और रेवाड़ी में एक लाख एकड़ में योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत दलहन फसलों (मूंग, अरहर व उड़द) तथा तिलहन फसलों (अरंडी, मूंगफली व तिल) को बढ़ावा देने के लिए 4,000 रुपये प्रति एकड़ सहायता राशि दी जाती है।

हर खेत-स्वस्थ खेत के तहत 55 लाख मृदा नमूने एकत्रित

खेत में पैदावार बढ़ाने और वैज्ञानिक तरीके के अनुसार फसल बुआई के लिए सरकार द्वारा हर खेत-स्वस्थ खेत अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान के तहत तीन-चार वर्षों में प्रत्येक एकड़ के मृदा नमूने एकत्रित कर सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिए जाएंगे। इस अभियान के तहत अब तक 55 लाख मृदा नमूने एकत्रित किए जा चुके हैं, जिनके विश्लेषण के बाद किसानों को सॉयल हेल्थ कार्ड वितरित किए जा रहे हैं। वर्ष 2022 में सॉयल हेल्थ कार्ड प्रोजेक्ट के लिए स्कॉच ग्रुप द्वारा विभाग को स्वर्ण पदक दिया गया। सॉयल हेल्थ कार्ड योजना के प्रथम चरण में राज्य में वर्ष 2015-16 तथा 2016-17 में 13.42 लाख मृदा नमूने एकत्रित किए गए थे। इनका विश्लेषण करके किसानों को 45.22 लाख सॉयल हेल्थ कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। इस योजना के दूसरे चरण (वर्ष 2017-18 तथा 2018-19) में 13.43 लाख मृदा नमूने एकत्रित किए गए। इन नमूनों का विश्लेषण करके किसानों को 41.43 लाख सॉयल हेल्थ कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। वर्ष 2019-20 में शुरू की गई एक पायलट परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के 22 जिलों के 122 खंडों से 122 गावों का चयन करके इन गांवों के सभी किसानों के खेत से 25,605 मृदा नमूने लेने का लक्ष्य रखा गया था। इन गांवों के सभी किसानों के खेतों से मृदा नमूनों का विश्लेषण करके सभी 25,605 किसानों को सॉयल हेल्थ कार्ड वितरित किए जा चुके हैं।

महत्वपूर्ण कदम

- रबी सीजन 2023-24 के दौरान 63.17 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की गई।
- प्रदेश की 108 मंडियों को 'राष्ट्रीय कृषि बाजार पोर्टल' (ई-नेम) से जोड़ा गया।
- राज्य सरकार ने सभी स्तरों पर अनाज की खरीद प्रणाली को पारदर्शी बनाने, व्यापार को आसान बनाने, किसानों को सही मूल्य तथा समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए 'ई-खरीद' का एक क्रांतिकारी कदम उठाया है।
- किसानों को सर्वोत्तम कृषि प्रणालियां अपनाने के लिए प्रेरित करने पर मुख्यमंत्री प्रगतिशील किसान सम्मान योजना शुरू की गई।

गन्ना उत्पादकों का आधार बना डीबीटी

मनोहर सरकार ने गन्ना उत्पाद किसानों की पेमेंट अदायगी के झंझट को खत्म करते हुए सीधा उनके बैंक खातों के साथ जोड़ दिया। अब गन्ना उत्पादकों को आर्थिक तौर पर समृद्ध बनाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए पिराई सीजन-2022-23 में डीबीटी के माध्यम से गन्ना उत्पादक किसानों के खाते में सीधी राशि की अदायगी की जा रही है।

पिराई सीजन 2022-23

770.73 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई विभिन्न चीनी मिलों द्वारा की गई।

74.79 लाख क्विंटल चीनी का औसत उत्पादन।

पिराई सीजन 2023-24 के दौरान गन्ने का भाव 362 रुपये से बढ़ाकर 386 रुपये प्रति क्विंटल किया।

वर्ष 2017-18 से 2022-23 तक गन्ना उत्पादक किसानों को गन्ना मूल्य के भुगतान हेतु राज्य की विभिन्न चीनी मिलों को 778.97 करोड़ रुपये की राशि सब्सिडी के तौर पर प्रदान की गई।

केंद्र सरकार द्वारा पोषित योजनाओं का मिल रहा लाभ

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना है। इस योजना की शुरुआत वर्ष 2018 के रबी सीजन में की गई थी। इस योजना के अंतर्गत किसान को 6,000 रुपये प्रति वर्ष तीन किश्तों में दिए जाते हैं और यह सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में पहुंचाई जाती है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 18 फरवरी, 2016 को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना शुरु की गई। इस योजना का उद्देश्य बेमौसमी प्राकृतिक आपदाओं जैसे कि आंधी, ओलावृष्टि और तेज बारिश के कारण किसानों की नष्ट हुई फसलों का उचित मुआवजा प्रदान करना है। किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली समस्याओं का सामना न करना पड़े इस पर विशेष बल दिया जा रहा है ताकि किसान खुशहाल हों तथा उनकी आय में भी बढ़ोतरी हो।

प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना

केंद्र सरकार ने नौकरी-पेशा करने वाले लोगों की तरह किसानों के लिए पेंशन योजना की सौगात दी है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को 60 वर्ष की आयु पूरी करने के पश्चात न्यूनतम 3000 रुपये पेंशन दी जाती है।

फसल अवशेष प्रबन्धन योजना

आधुनिकता के इस दौर में देश में ऐसे बहुत से किसान हैं, जो कृषि कार्यों में आज भी पुराने यंत्रों का उपयोग करते हैं। धन के अभाव में वे नए यंत्र खरीदने में असमर्थ होते हैं। किसानों की इस समस्या को देखते हुए केंद्र सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के माध्यम से किसान खेती करने वाले उपकरणों को आसानी से खरीद सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा दर्शाए पथ पर अग्रसर होते हुए हरियाणा सरकार ने किसानों के हित में नित नवीन योजनाएं घोषित कर किसानों को समृद्ध बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है आगे भी राज्य के किसानों को सशक्त बनाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहेगी। जिससे राज्य के किसान इन योजनाओं का भरपूर लाभ उठाते रहेंगे।

MEDIA MARKETING INITIATIVE